भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 807
दिनांक 04.12.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

उत्तर प्रदेश में पानी का संदूषण

807. डॉ. राजकुमार सांगवानः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या उत्तर प्रदेश में लोग पेयजल में आर्सेनिक, फ्लोराइड, लोहा, लवणता और नाइट्रेट के उच्च स्तर के कारण स्वास्थ्य जोखिमों का सामना कर रहे हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने उक्त समस्या के समाधान हेतु कोई कदम उठाए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) पिछले पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान बागपत लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र तथा उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों सहित देश के अन्य भागों में भूजल स्तर वृद्धि हेतु जल संग्रहण अवसंरचना के उन्नयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति
(श्री वी. सोमण्णा)

(क) से (ग): भारत सरकार ने अगस्त 2019 में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की भागीदारी से जल जीवन मिशन (जेजेएम) का शुभारंभ किया ताकि देश में ग्रामीण परिवारों के लिए पर्याप्त मात्रा में, निर्धारित गुणवत्ता और नियमित एवं दीर्घकालिक आधार पर पीने योग्य नल जल आपूर्ति का प्रावधान किया जा सके। पेयजल राज्य का विषय होने के कारण, जेजेएम के तहत आने वाली योजनाओं सहित पेयजल आपूर्ति योजनाओं की आयोजना, अनुमोदन, कार्यान्वयन, संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। भारत सरकार तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्यों की सहायता करती है।

उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, 9,344 बसावटें आर्सेनिक, फ्लोराइड, लौह, लवणता और नाइट्रेट जैसी जल गुणवत्ता संबंधी समस्याओं से प्रभावित हैं। सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने के लिए तत्काल उपचारात्मक उपायों के रूप में सामुदायिक जल शोधन संयंत्र (सीडब्ल्यूपीपी) स्थापित किए गए हैं। जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत, सभी गुणवत्ता प्रभावित बसावटों में पारिवारिक नल कनेक्शन प्रदान करने को प्राथमिकता दी जा रही है। एनएबीएल-मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के माध्यम से आर्सेनिक सहित दूषित पदार्थों के लिए पीने के पानी का नियमित रूप से परीक्षण किया जाता है, और विवरण डब्ल्यूक्यूएमआईएस पोर्टल (https://ejalshakti.gov.in/WQMIS/Main/Index) पर अपलोड किया जाता है जो कि पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है। इस प्रकार, उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में सभी गुणवत्ता प्रभावित बसावटों को पीने और खाना पकाने के उद्देश्य से कम से कम 8-10 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन की दर से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

बागपत लोकसभा क्षेत्र में, जेजेएम के तहत 191 गांवों को कवर करने वाली 174 जलापूर्ति योजनाएं प्रगति पर हैं, जिसमें सभी योजनाओं में भूजल पुनर्भरण तंत्र शामिल है। उत्तर प्रदेश राज्य भर में, भूजल को बढ़ाने के लिए पुनर्भरण संरचनाओं के साथ 14,955 ग्रामीण पाइपगत जलापूर्ति योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, लघु सिंचाई, भूजल, वन और ग्रामीण विकास जैसे विभाग विभिन्न योजनाओं के तहत चेक डैम, एनीकट्स और बंड्स जैसी पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण कर रहे हैं।

*****